अगर आप रोहित शर्मा को देखेंगे तो आपको लगेगा कि पब्लिक से बहुत अच्छे से कनेक्ट करता है। उसका बचपन आसान नहीं रहा है। वह मुश्किलों से लड़कर आया और लगातार भारत के लिए खेला है। **- ब्रायन लारा**

दिग्गज क्रिकेटर, भारतीय खिलाड़ी रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

चामरी अट्टापट्टू

श्रीलंका महिला टीम की कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के तीसरे मुकाबले में नाबाद (195) रनों की तूफानी पारी खेलते हुए दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने सीरीज एक-एक से बराबरी कर ली है। चामरी की रिकॉर्ड पारी की बदौलत श्रीलंका महिला एकदिवसीय इतिहास में 300 के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल करने वाली पहली टीम बन गयी है। श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया के 12 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। वर्ष 2012 में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 289 रनों का लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज की थी।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

आईपीएल में मुंबई की तीसरी जीत, पंजाब को 9 रन से हराया

मुल्लांपुर (चंडीगढ़), 18 अप्रेल। गुरुवार को पंजाब ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब पंजाब किंग्स की टीम 19.1 ओवर में 183 रन पर ऑलआउट हो गई।

सूर्यकुमार यादव ने 53 बॉल पर 78 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। रोहित शर्मा ने 36 रन और तिलक वर्मा ने नाबाद 34 रन बनाए। हर्षल पटेल ने 3 विकेट चटकाए, जबकि कप्तान सैम करन ने 2 विकेट लिए। कगिसो रबाडा को एक विकेट मिला। से आशुतोष शर्मा ने 28 बॉल पर 61 रन बनाए, जबकि शशांक सिंह ने 25 बॉल पर 41 रन का योगदान दिया। जसप्रीत बुमराह और जेराल्ड कूट्जी ने 3-3 विकेट हासिल किए। एक-एक विकेट हार्दिक पंड्या, आकाश मधवाल और श्रेयस गोपाल को मिला।

19वें ओवर की पहली बॉल पर पंजाब ने आखिरी विकेट गंवा दिया है। कगिसो रबाडा दूसरा रन लेने के प्रयास में रनआउट हो गए। इसी के साथ मुंबई इंडियंस ने 9 रन से जीत हासिल कर ली है। मुंबई की यह सीजन में तीसरी जीत है।

19वें ओवर में पंजाब को नौवां झटका लगा। हार्दिक पंड्या के ओवर की चौथी बॉल पर हरप्रीत बरार आउट हुए। उन्हें मोहम्मद नबी ने कैच किया। हरप्रीत 21 रन बनाकर आउट हुए। ओवर की 5वीं बॉल पर कगिसो रबाडा ने छक्का जमाया। इस ओवर के बाद पंजाब का स्कोर 181/9 रहा। यहां से पंजाब को जीत के लिए 6 बॉल पर 12 रन चाहिए।

18वें ओवर की पहली बॉल पर पंजाब का 8वां विकेट गिरा। जेराल्ड कूट्जी ने ओवर की पहली बॉल पर आशुतोष को मोहम्मद नबी के हाथों कैच कराया। उन्होंने लियम लिविंगस्टन (एक रन) और प्रभसिमरन सिंह (शून्य) को भी आउट किया।

पहलवान साक्षी मलिक 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में शामिल

नयी दिल्ली, 18 अप्रेल। ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान साक्षी मलिक को 'टाइम' पत्रिका ने 2024 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में शामिल किया है। कुश्ती में भारत की एकमात्र महिला ओलंपिक पदक विजेता साक्षी को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह द्वारा महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ उनकी लड़ाई के लिए इस सूची में जगह दी गयी है। सूची में अन्य भारतीयों में अभिनेत्री आलिया भट्ट, इंडो-ब्रिटिश अभिनेता देव पटेल और माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्या नडेला शामिल हैं। साक्षी ने दो बार की विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता विनेश फोगाट और तोक्यो ओलंपिक के कांस्य विजेता बजरंग पूनिया के साथ यहां जंतर-मंतर पर बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। इन्होंने देश की महिला पहलवानों को डराने धमकाने और कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के लिए उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। विरोध प्रदर्शन पिछले साल जनवरी में शुरू हुआ। इसके बाद सिंह के खिलाफ यह लड़ाई एक साल तक चली। सिंह के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया था लेकिन वह आरोपों से इनकार करते रहे हैं।

साक्षी ने उस आंदोलन के बारे में कहा, ''यह लड़ाई अब सिर्फ भारत की महिला पहलवानों के लिए नहीं है। यह भारत की बेटियों के लिए है जिनकी आवाज़ बार बार दबा दी गई। '' सिंह के पद छोड़ने के कुछ ही समय बाद उनके करीबी सहयोगी और व्यवसायिक साझीदार संजय सिंह को डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष चुना गया। संजय सिंह ने जिस दिन डब्ल्यूएफआई की कमान संभाली, उसी दिन साक्षी ने कुश्ती से संन्यास लेने का फैसला कर लिया।

कैंडिडेट्स शतरंज : गुकेश ड्रॉ के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। ग्रेडमास्टर डी गुकेश कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 11वें दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त फेबियानो कारूआना से ड्रॉ के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर खिसक गए जबकि भारत के ही आर प्रज्ञानानंदा और विदित गुजराती को पराजय

का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा को अमेरिका के हिकारू नकामूरा और गुजराती को रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि ने हराया। अन्य मुकाबलों में फ्रांस के फिरोजा अलीरजा ने अजरबैजान के निजात अबासोव को हराया। टूर्नामेंट में अब तीन दौर ही बचे हैं और नेपोम्नियाश्चि लगातार तीसरी बार खिताब के प्रबल दावेदार लग रहे हैं। रूस पर प्रतिबंध लगा होने से वह फिडे के ध्वज तले खेल रहे हैं। उन्होंने 11 में से सात अंक लेकर एकल बढत बना ली। कारूआना, नकामूरा और गुकेश उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञानानंदा के 5.5 और गुजराती के पांच अंक हैं। महिला वर्ग में चीन की झोंग्यी तान को एकल बढत मिल गई है जबकि उनकी हमवतन टी लेइ दूसरे स्थान पर है। भारत की आर वैशाली ने शीर्ष वरीयता प्राप्त रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाश्किना को हराया जबकि कोनेरू हम्पी ने बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा को मात दी।

डेवोन कॉन्वे चोट के चलते टूर्नामेंट से हुए बाहर

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। आईपीएल की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टीम के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे आईपीएल 2024 से बाहर हो गए हैं। चोट के चलते कॉन्वे सीजन का एक भी मैच सीएसके

के लिए नहीं खेल पाए। सीएसके ने कॉन्वे के रिप्लेसमेंट के रूप में इंग्लैंड के रिचर्ड ग्लीसन को स्क्वॉड में शामिल किया है। आईपीएल द्वारा प्रेस रिलीज जारी की गई, जिसके अनुसार डेवोन कॉन्वे चोट के कारण टाटा आईपीएल 2024 से बाहर हो गए हैं। पिछले दो आईपीएल सीजन के दौरान सीएसके का प्रतिनिधित्व करने वाले कॉन्वे ने 23 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 924 रन बनाए हैं। इसमें 9 फिफ्टी और 92 नाबाद उच्चतम स्कोर शामिल है। प्रेस रिलीज में आगे लिखा है कि, सीएसके ने टाटा आईपीएल 2024 के शेष मैच के लिए रिचर्ड ग्लीसन को टीम में शामिल किया है। ग्लीसन ने 6 टी20 में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है और उनके नाम 9 विकेट हैं। इसके अलावा ग्लीसन ने 90 टी20 खेले हैं और 101 टी20 विकेट चटकाए हैं। उन्हें 50 लाख रुपये की बेस प्राइस के साथ टीम में शामिल किया गया है।

वनडे वर्ल्ड कप को लेकर केएल राहुल को है इस चीज का पछतावा : अश्विन

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल आज (गुरुवार) अपना 32वां जन्मदिन मना रहे हैं। भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेलने वाले केएल राहुल ने अश्विन के साथ बातचीत में खुलासा किया है कि उन्हें पिछले साल वनडे विश्व कप के दौरान फाइनल में खेली गई अपनी पारी को लेकर पछतावा है, उनके मुताबिक अगर उन्हें एक गलती सुधारने का मौका दिया जाए, तो वह जल्दबाजी करने की बजाए फाइनल में अंत तक खेलने की कोशिश करते। अश्विन ने अपने यूट्यबू चैनल पर केएल राहुल से पूछा, अगर मुझे मौका मिले और मैं आपको एक टाइम मशीन दूं और एक फैसले को सही करने के लिए कहूं तो वह क्या होगा? इस पर केएल राहुल ने जवाब दिया, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल, मैं उस समय फंस गया था, कि मुझे स्टार्क को मारना चाहिए या सिर्फ उसे खेलना चाहिए, क्योंकि गेंद रिवर्स हो रही थी, मुश्किल एंगल से गेंदबाजी हो रही थी, इस दुविधा में मेरे बल्ले का किनारा लेकर गेंद गई। अगर मैं अंत तक खेलता तो, 30 से ज्यादा रन और बन सकते थे और शायद विश्व कप हमारे हाथ में होता, इसका मुझे पछतावा है।

कूकाबुरा से कितनी अलग होती है डव्यूक बॉल

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार हो रहे हाई स्कोरिंग मैच को लेकर अब एक नई बहस छिड़ गई है। आईपीएल का 17 वां सीजन गेंदबाजों के लिए बहुत ही मुश्किल साबित हो रहा है। इस सीजन में बल्लेबाज खूब गरज रहे हैं। अब तक 9 टीमों ने 200 से ज्यादा रन बना डाले हैं और रनों की रफ्तार कम होने का कोई नाम नहीं ले रही है। हर्षा भोगले के इस आइडिया को अब कोलकाता नाइट राइडर्स सपोर्टिंग स्टाफ के सदस्य गौतम गंभीर ने भी समर्थन किया है। उनका कहना है कि अगर मौजूदा समय में उपयोग की जा रही कूकाबुरा गेंद जो 50 ओवर तक टिक नहीं सकती तो गेंद बनाने वाली कंपनी को बदल देना चाहिए।

मेग लैनिंग ने संन्यास लेने का बताया कारण

कम खाने से वजन घटने की वजह से लिया रिटायरमेंट

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। ऑस्ट्रेलिया की छह बार की विश्व कप विजेता पूर्व क्रिकेट कप्तान मेग लानिंग ने खुलासा किया है कि अवसाद के दौरे और अत्यधिक व्यायाम तथा कम खाने से वजन घटने के कारण उन्होंने 31 वर्ष की उम्र में ही खेल को अलविदा कह दिया। लानिंग ने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने के बाद मानसिक स्वास्थ्य के लिये छह महीने का ब्रेक लिया था।

उन्होंने एशेज 2023 के बाद खेल को अलविदा कह दिया लेकिन कोई कारण नहीं बताया था। उन्होंने ' द हाउइ गेम्स ' पॉडकास्ट में कहा ," सभी मुझसे कहते थे कि कुछ सही नहीं हो रहा है लेकिन मैने स्वीकार नहीं किया। मैं क्रिकेट खेलने की स्थिति में नहीं थी। एशेज जैसी श्रृंखला के लिये मानसिक और शारीरिक तौर पर काफी प्रतिबद्ध रहने की जरूरत होती है।" उन्होंने कहा कि एक ऐसा समय आया जब उनकी भूख ही खत्म हो गई और सप्ताह में 90 किलोमीटर दौड़ने के बाद वह सिर्फ दो बार खाना खाती थी जिससे काफी वजन कम हो गया। उन्होंने कहा, "मैं कम खाती थी और ज्यादा

वर्जिश करती थी। मेरा वजन 64 किलो से 57 किलो हो गया। इससे मेरी एकाग्रता पर असर पड़ा। मैं दूसरे लोगों को देखना नहीं चाहती थी। अपने परिवार और दोस्तों से भी कट गई। फिर मुझे लगा कि अब इस पर रोक लगनी चाहिये।"

लखनऊ सुपर जाइंट्स के सामने चेन्नई के गेंदबाजी की कठिन चुनौती

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। रूतुराज गायकवाड़ की कप्तानी और महेंद्र सिंह धोनी की प्रेरणा वाली चेन्नई टीम ने पिछले दो मैच जीते हैं जबकि केएल राहुल की लखनऊ टीम को लगातार दो पराजय झेलनी पड़ी है। लखनऊ के बल्लेबाज अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और देखना होगा कि बेहतरीन फॉर्म में चल रहे चेन्नई के गेंदबाजों का सामना वे कैसे करते हैं। यॉर्कर डालने में उस्ताद मथीषा पथिराना को डैथ ओवरों में खेल पाना बहुत मुश्किल है। वहीं मुस्ताफिजुर रहमान के पास कम से कम तीन वैरिएशन हैं।

इकाना जैसे स्टेडियम पर जहां गेंद पर पकड़ अच्छी रहती है , रविंद्र जडेजा काफी असरदार साबित हो सकते हैं। लखनऊ में महीश तीक्षणा के रूप में एक अतिरिक्त

स्पिनर को उतारा जा सकता है। लखनऊ में इस सत्र में पहली पारी का औसत स्कोर 175 रन रहा है जो दूसरे मैदानों से कम से कम 15 रन कम है। लखनऊ के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव पिछले दोनों मैचों में पेट की मांसपेशी में खिंचाव के कारण नहीं खेल सके। उन्होंने अभ्यास शुरू किया और उनकी रफ्तार चेन्नई के बल्लेबाजों के लिये चुनौतीपूर्ण हो सकती है लेकिन देखना यह है कि वह कल खेल पाते हैं या नहीं।

स्पिन में रवि बिश्नोई ने किफायती स्पैल फेंके हैं लेकिन वैरिएशन के अभाव के कारण अभी तक छह मैचों में चार ही विकेट ले सके। बिश्नोई और चेन्नई के आक्रामक बल्लेबाज शिवम दुबे की टक्कर देखने लायक होगी।

लखनऊ के प्रमुख बल्लेबाज क्विंटोन डिकॉक लगातार दो अर्धशतकों के बाद पिछले तीन मैचों में कुछ खास नहीं कर सके। 'इंपैक्ट प्लेयर' के नियम के कारण कृणाल पंड्या सातवें नंबर पर उतर रहे हैं और छह मैचों में 41 गेंद ही खेल सके। उनका पूरा इस्तेमाल नहीं करने का खामियाजा भी टीम को भुगतना पड़ा है। कप्तान राहुल भी 204 रन ही बना सके और अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं। निकोलस पूरन ने छह मैचों में 19 छक्के लगाये हैं और उनसे इस लय को कायम रखने की उम्मीद होगी।

पूर्व हॉकी कप्तान प्रीतम रानी सिवाच का बयान, कहा-

पेरिस ओलंपिक में जीत सकती है भारतीय पुरुष हॉकी टीम

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान प्रीतम रानी सिवाच को यकीन है कि पुरूष टीम पेरिस ओलंपिक में अपने पदक का रंग बदलकर स्वर्ण जीत सकती है। आठ बार की चैम्पियन भारतीय टीम ने 41 साल के इंतजार को खत्म करके तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था।

सिवाच ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा ," भारत के पास कुछ बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं जो मैच जिताने में सक्षम हैं।" उन्होंने कहा, "भारत का पूल कठिन है लेकिन मुझे यकीन है कि टीम पदक का रंग बदलकर पीला तमगा जीत सकती है।" भारत को ओलंपिक में पहला मैच 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से खेलना है। सिवाच ने यह भी कहा कि आगामी राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग से युवाओं को अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा जिससे राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का रास्ता बनेगा। उन्होंने कहा, इसके जरिये खिलाड़ियों को पता चलेगा कि उन्हें किन पहलुओं पर काम करना है और अपने खेल में सुधार कैसे कर सकते हैं।" लीग दो चरण में होगी और रांची चरण 30 अप्रैल से नौ मई के बीच होगा।

स्टुअर्ट लॉ होंगे अमेरिका की पुरुष टीम के मुख्य कोच

वॉशिंगटन, 18 अप्रेल। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज स्टुअर्ट लॉ को अमेरिका की पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। टी-20 विश्वकप से पहले लॉ की शार्गिदी में अमेरिका में ही बंगलाादेश के साथ तीन टी-20 मैचों की श्रृंखला खेली जायेगी। अमेरिका जून में होने वाले टी-20 विश्वकप का सह-मेजबान है। नियुक्ति को लेकर लॉ ने कहा, अमेरिका इस समय एसोसिएट देशों में एक मजबूत टीम है और उनके साथ जुड़ने को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं। पहली चुनौती तो बंगलादेश के साथ होने श्रृंखला के लिए एक टीम तैयार करने की है और उसके बाद हमारी नजरें विश्व कप की ओर होंगी। वह श्रीलंका और बंगलादेश के मुख्य कोच के साथ ही अफगानिस्तान और श्रीलंका को भी अंतरिम तौर पर कोचिंग दे चुके हैं। वह बंगलादेश की अंडर 19 टीम के कोच रह चुके हैं और उनकी ही कोचिंग में बंगलादेश की टीम 2012 में पहली बार एशिया कप के फाइनल में पहुंची थी। वह ऑस्ट्रेलिया के भी बल्लेबाजी कोच रहे हैं और उनकी अंडर 19 टीम को भी कोचिंग दे चुके हैं।

जापान के बैडमिंटन खिलाड़ी केंटो मोमोता ने संन्यास लेने की घोषणा की

टोक्यो, 18 अप्रेल। जापान के बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार के विश्व चैंपियन केंटो मोमोता ने गुरुवार को संन्यास लेने की घोषणा की। जापान की समाचार एजेंसी समाचार एजेंसी के हवाले से मोमोता ने टोक्यो में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लग रहा कि मैं अब उस बिंदु पर वापस नहीं पहुंच सकता जहां मैं फिर से दुनिया में नंबर एक बनने का लक्ष्य पा सकूं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते हुए मेरा करियर बहुत ही संतुष्टिदायक रहा। अब मैं सभी प्रकार के लोगों को खेल का आनंद लेने में मदद करने में शामिल होना चाहता हूं। उन्होंने कहा, मैं झूठ नहीं बोलूंगा, दुर्घटना के बाद मैंने स्वयं ही सवाल किया, मैं ही क्यों। ईमानदारी से कहूं तो, यह एक के बाद एक कठिन समय था। लेकिन मैं इसका दोष दुर्घटना को नहीं देना चाहता। मैं प्रयास करना चाहता था। जनवरी 2020 में दुर्घटना के बाद से बहुत कठिनाई हुई। मैंने बहुत सी चीजें करने का प्रयास किया लेकिन मैं जो था और जो मैं हूं उसके बीच भावनात्मक, शारीरिक अंतर को कम नहीं कर सका। मुझे लगा कि मैं ऐसा नहीं कर सकता कि फिर से विश्व नंबर एक बनूं। मोमोता की इस घोषणा के साथ ही चीन के चेंगदू में थॉमस और उबेर कप फाइनल अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर उनका अंतिम टूर्नामेंट होगा। मोमोता ने वर्ष 2018 और 2019 में विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता था।

भारतीय पहलवानों के सामने ओलंपिक कोटा हासिल करने की चुनौती, विनेश फोगाट पर नजरें

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। शुक्रवार से शुरू हो रहे एशिया ओलंपिक क्वालीफायर के जरिये पेरिस खेलों का कोटा हासिल करने के लिए जब भारत के 17 पहलवान चुनौती पेश करेंगे तो सबसे ज्यादा नजरें दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट पर होगी। इस प्रतियोगिता में फ्रीस्टाइल, महिला और ग्रीको-रोमन में कुल 36 कोटा स्थान दांव पर होंगे। भारत के 17 पहलवान शुक्रवार से शुरू हो रहे एशिया ओलंपिक क्वालीफायर के जरिये पेरिस खेलों का कोटा हासिल करने के लिए जब चुनौती पेश करेंगे तो सबसे ज्यादा नजरें दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट पर होगी। इस प्रतियोगिता में फ्रीस्टाइल, महिला और ग्रीको-रोमन में कुल 36 कोटा स्थान दांव पर होंगे। भारतीय पहलवान सिर्फ एक स्पर्धा को छोड़कर सभी भार वर्ग में कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे। उन्नीस साल की अंतिम पंघाल ने सर्बिया के बेलग्रेड में 2023 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत कर भारत के लिए महिलाओं के 53 किग्रा में पहले ही कोटा स्थान पक्का कर लिया है। महिला वर्ग में अब विनेश (50 किग्रा), रीतिका हुड्डा (76 किग्रा), मौजूदा अंडर-23 विश्व चैंपियन अंशु (57 किग्रा), मानसी (62 किग्रा) और निशा (68 किग्रा) के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का समय आ गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ भारतीय पहलवानों के विरोध का प्रमुख चेहरा रही विनेश के प्रदर्शन पर सबसे

ज्यादा नजरें रहेंगी। पिछले कुछ समय से गलत कारणों से चर्चा में रहने वाली 29 वर्षीय खिलाड़ी ने मार्च में 50 किग्रा में राष्ट्रीय चयन ट्रायल जीता था। उन्होंने पटियाला में हुए इस चयन ट्रायल में अधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद 53 किग्रा वर्ग में भी प्रतिस्पर्धा की थी, लेकिन वह सेमीफाइनल में हार गईं थी। विनेश ने यह भी आरोप लगाया था कि उनके निजी कोच और फिजियो को एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिए एक्रिडिटेशन (मान्यता) नहीं मिला। वह इन विवादों को पीछे छोड़कर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगी। पुरुषों के फ्रीस्टाइल वर्ग में, अमन सहरावत (57 किग्रा) राष्ट्रीय ट्रायल में तोक्यो ओलंपिक पदक विजेता रवि दहिया को पछाड़कर अपनी जगह बनाने के बाद सुर्खियों बटोरी थी। वह अच्छी लय में भी हैं। उन्होंने इस साल जनवरी में जगरेब ओपन में स्वर्ण पदक जीता था। उनके अलावा सुजीत पर भी नजर रहेगी क्योंकि वह तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया की विफलता के बाद 65 किग्रा वर्ग में चुनौती का नेतृत्व कर रहे हैं। तोक्यो में पदक जीतने से चूके दीपक पूनिया (86 किग्रा) से यहां कोटा तय करने के मजबूत दावेदार है तो वहीं जयदीप (74 किग्रा), दीपक (97 किग्रा) और सुमित (125 किग्रा) भी अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा कर भारत के लिए कोटा हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ा चाहेंगे। महाद्वीपीय क्वालीफायर में स्वर्ण पदक, रेपेचेज या कांस्य पदक के लिए मुकाबला नहीं होगा। प्रत्येक ओलंपिक भार वर्ग में दोनों सेमीफाइनल के विजेता पेरिस खेलों के लिए अपने देशों के लिए कोटा अर्जित करेंगे। ग्रीको-रोमन में सुमित (60 किग्रा), आशु (67 किग्रा), विकास (77 किग्रा), सुनील (87 किग्रा), नितेश (97 किग्रा) और नवीन (130 किग्रा) पर देश के लिए कोटा हासिल करने का दारोमदार होगा।